




# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 213]

नई दिल्ली, बुध्दिवार सई 14, 1992/वैशाख 24, 1914

No. 213]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 14, 1992/VAISAKHA 24, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

कम्पनी विधि बोर्ड ]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 मई, 1992

सा.का.नि. 192(अ):—कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 103 की उपधारा (6) द्वारा प्रस्तावित परिवर्तन का प्रयोग करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड द्वारा कम्पनी विधि बोर्ड विनियम, 1991 में निम्नलिखित संशोधन करता है, ताकि:

1. (1) इन विनियमों का नाम कम्पनी विधि बोर्ड (संशोधन) विनियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. कम्पनी विधि बोर्ड विनियम, 1991 में:—

(क) विनियम 4 के उपविनियम (3) के बाद निम्नलिखित परन्तुक प्रविष्ट किया जाएगा, ताकि:

“बशर्ते कि विनियम 7 में कही गई किसी बात के बावजूद अध्याय के लिए किसी भी क्षेत्रीय न्यायपीठ में समस्त चल रहे मामले को प्रधान न्यायपीठ को लिखित रूप में बनाए कारणों वश हस्तांतरित करना विधि-सम्मत होगा।”

(ख) विनियम (7) के उपविनियम (3) के परन्तुक के अन्त में निम्नलिखित शब्दों को जोड़ा गया जाएगा, ताकि:

“यहाँ को सहर्ष में क्षेत्र के बाहरी किसी अन्य स्थान पर।”

(ग) विनियम (11) के उपविनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम का प्रतिस्थापित किया जाएगा, ताकि:

“(2) प्राधिकारिता याचिका दायरे या आवेदन पत्र को एक प्रति प्रतिवेद्य, या जैसी को उचित हो, प्रतिवेद्यों को तामोल करके और ऐसी तारीख का साथ प्रस्तुत करेगा।”

(घ) विनियम 18 में:—

(1) उपविनियम (2) शब्द “अधिकृत प्रतिनिधि” की अगुआई “जन या अधिकृत प्रतिनिधि या अधिकृतता” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(2) उपविनियम (3) में शब्द प्रौढ संख्या “नौ अनुलग्नक-II” में कार्य संख्या-5” को जोड़ा जाएगा।

(ङ) विनियम (19) के उपविनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम को प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

“(2) कोई भी पक्ष लिखित रूप में एक अधिकृतता या पूर्ण-कालिक व्यवसायिक कम्पनी सचिव, या व्यवसायिक चार्टर्ड

एकजटिल या व्यावहारिक कास्ट और वक्ता एकाउन्टेन्ट को अपना अधिकृत प्रतिनिधि बना सकता है। न्यायपीठ के समक्ष कार्यवाही में कम्पनी की ओर से भाग लेने के लिए एक कम्पनी अपने निदेशक या कम्पनी सचिव को अधिकृत या नियुक्त कर सकती है।

(ख) विनियम 21 के उपविनियम (7) में "अंशधारियों, निन्दारों या उनमें से किसी वर्ग" शब्दों को विलुप्त कर दिया जाएगा।

(छ) विनियम 27 को विलुप्त कर दिया जाएगा।

(ज) विनियम 29 में—

(1) विद्यमान उपविनियम (2) में (6) तक दोनों समेत (3) से (7) के रूप में पुनर्संख्यांकित किए जाएंगे।

(2) पुनर्संख्यांकित उपविनियम (3) के पूर्व निम्नलिखित उपविनियम को निक्षिप्त किया जाएगा, नामशः

"(2) न्यायपीठ व सदस्यों के बीच मतभेद होने की स्थिति में बहुसंख्या का मत मान्य होगा या न्यायपीठ का आदेश बहुसंख्या के मतानुसार पारित होगा।

अर्थात् कि जहाँ मामले की सुनवाई समसंख्यक न्यायपीठ के सदस्यों द्वारा की गई है और ऐसे सदस्यों का बराबर-बराबर संख्या में मत विभाजन है, तो मामले की अध्यक्ष के मामले रखा जाएगा जो मामले पर स्वयं विचार कर सकते हैं या किसी अन्य सदस्य को इसे निपटाने के लिए नामजद कर सकते हैं।

(झ) विनियम 32 में—

(1) उपविनियम (1) में, वाक्य (VIII) के स्थान पर निम्नलिखित वाक्य को प्रतिस्थापित किया जाएगा, नामशः

"(VIII) नोटिसों के आदेश होने का आदेशों का निश्चय के लिए।"

(2) उपविनियम (2) के लिए, निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, नामशः

"(2) वाक्य (ii), (iii), (v) और (vi) के अन्तर्गत पीठ अधिकारी के किसी निर्णय के विरुद्ध अपील दायर करने की इस प्रकार के निर्णय को प्रेषित होने के पन्द्रह दिन के अन्दर न्यायपीठ के समक्ष करना होगा।"

(ण) विनियम 33 के उपविनियम (2) के वाक्य (ण) में "पुनरीक्षण" शब्द के स्थान पर "अभियोग" शब्द प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(ट) विनियम 36 में—

(i) उपविनियम (1) के वाक्य (1) के स्थान पर निम्नलिखित वाक्य प्रतिस्थापित किया जाएगा—

"(1) कम से कम एक बार उस जिले में जिसमें कम्पनी का पंजीकृत कार्यालय स्थित है, प्रकाशित होने तथा बिकने वाले एक अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र तथा एक उस जिले की प्रधान भाषा में प्रकाशित होने तथा बिकने वाले समाचार पत्र में प्रकाशित करेगा जिसमें याचिका गायी होगी और यह कहा गया होगा कि जिस व्यक्ति का स्वार्थ समरज-पत्र में प्रस्तावित परिवर्तन से प्रभावित होने वाला है नोटिस प्रकाशित होने के 21 दिन के अन्दर पीठ अधिकारी को स्वार्थ की प्रकृति और विरोध के आधार को सूचित कर सकता है।

(ii) उपविनियम (9) के लिए, निम्न उपविनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, नामशः

"(9) जहाँ किसी भी पक्ष से, जिसे विधिवत् नोटिस नामित की गई है, नोटिस प्राप्त नहीं हुई है, पीठ अधिकारी याचिका को बिना सुनवाई के आदेश के लिए प्रस्तुत कर सकता है।

(iii) उपविनियम (10) विलुप्त कर दिया जाएगा।

(ठ) विनियम 40 के उपविनियम (1) "एक कम्पनी द्वारा अपराध किया जाएगा" शब्दों के बाद या "इसके शुरू करने वाले अधिकारियों" शब्द को निक्षिप्त किया जाएगा।

(ड) विनियम 41 के लिए, निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, नामशः

"इन विनियमों के प्रावधान, आवश्यक परिवर्तनों के साथ एकधिकार अधिनियम की धारा 2क के अन्तर्गत की गई याचिकाओं पर भी लागू होंगे।

(ड) विनियम 45 के लिए, निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, नामशः

"45 न्यायपीठ के किसी आदेश में कोई लिपिकीय या गणितीय भूल या उसमें होने वाली कोई आकस्मिक त्रुटि या खिलोफ किसी भी समय न्यायपीठ द्वारा स्वयंसेव या किसी पक्ष के आदेशन करने पर दुरुस्त किया जा सकता है।"

(ण) अनुलग्नक 1 में—

(i) कम संख्या 1 के मामले "राज्य/संघ क्षेत्र" के कालम में "उड़ीसा" शब्द के बाद "मिज़ोरम" शब्द निक्षिप्त किया जाए।

(ii) कम संख्या 4 के मामले "राज्य/संघ क्षेत्र" संबंधी कालम में "बादरा और नगर हजेली के संघ क्षेत्र" शब्दों के स्थान "बादरा और नगर हजेली एवं इमन तथा दिउ" शब्दों का प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(त) अनुलग्नक II में—

(i) फार्म पत्रा 1 में, "वाणिज्य-विवरण" शीर्षक के अन्तर्गत—

(क) मद 5 में "कम्पनी अधिनियम, 1956" शब्दों के बाद "या प्रतियुक्ति अधिनियम, 1956" शब्द निक्षिप्त किए जाएंगे।

(ख) मद संख्या 10 में उपमद (1) और (4) के लिए निम्नलिखित सबे कमशः प्रतिस्थापित की जाएगी—

"(1) बैंक का वह शाखा जिस देने का कहा जाए;

(2) निर्णय करने वाली बैंक का नाम।

(ii) फार्म संख्या 4 के वाक्य निम्नलिखित फार्म निश्चित किया जाएगा, नामशः

फार्म संख्या —5

[देखिए विनियम 18 (3)]

प्रवेश—स्मरण पत्र

सेवा में,

न्याय पीठ अधिकारी,

कम्पनी विधि बोर्ड—; न्यायपीठ

के मामले में—; याचिकाकर्ता

बनाम

..... प्रतिपक्षी

(क. या. सं. 199 की. ....)

महोदय,

कृपया यह सूचना स्वीकार करें कि कि मैं तब, पूर्णकालिक प्रैक्टिस में संलग्न सचिव/प्रैक्टिस में लगा हुआ जस्टिस/एकाउन्टेन्ट/प्रैक्टिस में लगा हुआ कास्ट और बक्स एकाउन्टेन्ट विधिवत प्रवेश करने के लिए प्रशिक्षित हूँ और मैं याचिकाकर्ता/विरोधी पक्ष/रजिस्ट्रार/क्षेत्रीय निदेशक/..... की सफ़ाई की ओर से उपरोक्त याचिका से प्रवेश करना हूँ।

\*निदेशक मंडल द्वारा पारित एक संकल्प जिसमें मुझे प्रवेश करने और उक्त पत्र के लिए कार्यवाही से संबंधित कोई भी कार्य करने के लिए प्रतिकूल किया गया है, संघन है जिन पर शिठल के लिए मेरा हस्ताक्षर अंकित है।

मयूर्यय

( )

पञ्चमः -

तारीख 19..... का दिन दर्भाष स.:-

\*जो माया न हो उसे हटा दीजिए ।

(थ) संलग्नक III में,

- (i) क्रम संख्या 1 के सामने, कालम 4 में, मद 11 से, शब्द, संख्या और कोष्ठक "और 36(2)" को अन्त में निम्नलिखित किया जाएगा।
- (ii) क्रम संख्या 5 के सामने, कालम 4 में, मद 6 में संख्या और कोष्ठक "14(4)" के स्थान पर संख्या और कोष्ठक "11(3)" प्रतिस्थापित किया जाएगा।
- (iii) क्रम संख्या 9 के सामने, कालम 4 में, "जहां यात्रिका किसी अन्य व्यक्ति द्वारा की गई हो" शर्षक के अन्तर्गत, मद संख्या 6 के स्थान पर निम्नलिखित मद प्रतिस्थापित होगी, नामशः "6. बोंड के संकल्प या जैसी भी स्थिति हो वकालत नाम के सहित प्रवेश-स्मरण पत्र।"
- (iv) क्रम संख्या 12 के सामने, कालम 4 में, मद संख्या 5 के लिए निम्नलिखित मद प्रतिस्थापित की जाएगी, नामशः—  
"5. बोंड के संकल्प या जैसी भी स्थिति हो, वकालत नाम के सहित प्रवेश-स्मरण पत्र।"
- (v) क्रम संख्या 13, कालम 4 में:—  
(क) मद संख्या 2 में संख्या, अक्षर और कोष्ठक "293 (1) (क)" के लिए संख्या, अक्षर और कोष्ठक "293 (1) (घ)" प्रतिस्थापित किया जाएगा।  
(ख) मद 3 को विलुप्त कर दिया जाएगा।
- (vi) क्रम संख्या 14 के सामने, कालम 4 में, मद 4 के लिए निम्नलिखित मद प्रतिस्थापित की जाएगी, नामशः  
"(4) बोंड के संकल्प या जैसी भी स्थिति हो, वकालत नाम के सहित प्रवेश-स्मरण पत्र।"
- (vii) क्रम संख्या 15 के सामने कालम 4 में, मद 4 के लिए निम्नलिखित मद प्रतिस्थापित की जाएगी, नामशः  
"4 बोंड के संकल्प या जैसी भी स्थिति हो वकालत नाम के सहित प्रवेश-स्मरण पत्र।"

- (viii) क्रम संख्या 17 के समान, कालम 4<sup>थे</sup>, मब 4<sup>थे</sup> के लिए निर्धारित मद्दे प्रतिस्थापित की जायेंगी, नाममात्र--

“4 बोंडों के संकल्प या जैनी की स्थिति हैं। यथास्ततः नामे  
गदित प्रवेग स्मरण-पत्र”

- (ix) प्रत्य संख्या २३ के लिये, काष्ठम ४ में

- (क) सब 5 के लिए, निम्नलिखित मध्य प्रतिस्थापित की जावेगी, नाम:-

(4) बोर्ड के मकल्प या जैसी भी स्थिति हो  
यकालन नामे सहित प्रवेश सम्पन्न-पत्र ।

- (ख) मद 4 के बाद निम्नलिखित मद जोड़ी जायेगी  
संमण:

"5 याचिहा को तान अभिनिष्ठ प्रतिया।"

[सं. 1/10/88-सी एल बी]

कथ्यर्ता विधि योऽं के प्रदेश मे

॥५॥ वात्सल्यमर्णयश्च, सवस्थ, कम्पनी दिव्यि वांछे

दृष्टान्तः - प्रज्ञान विनियम

सा.का.नि. संख्या 291(छ) दिनांक 31-5-91

COMPANY LAW BOARD  
NOTIFICATION

New Delhi, the 14th May, 1992

G.S.R. 492(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (6) of section 10E of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Company Law Board hereby makes the following amendments to the Company Law Board Regulations, 1991, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Company Law Board (Amendment) Regulations, 1992.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Company Law Board Regulations, 1991,—
- (a) after sub-regulation (3) of regulation 4, the following proviso shall be inserted, namely :—
- “Provided that, notwithstanding anything contained in regulation 7, it shall be lawful for the Chairman to transfer any matter pending before any Regional Bench to the Principal Bench, for reasons to be recorded in writing”.
- (b) in the proviso to sub-regulation (3) of regulation 7, the following words shall be added at the end, namely :—
- “or at any other place outside the region with the consent of the parties.”
- (c) for sub-regulation (2) of regulation 14, the following sub-regulation shall be substituted, namely :—
- “(2) The petitioner shall serve a copy of the petition, reference or application on the respondent or respondents, as the case may be, and produce evidence of such service”.
- (d) in regulation 18,—
- (i) in sub-regulation (2), for the words “authorised representative” the words “party or the authorised representative or the advocate” shall be substituted.

(ii) in sub-regulation (3), the words and figures "as in Form No. 5 in Annexure II" shall be added at the end.

(c) for sub-regulation (2) of regulation 19, the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

"(2) A party may, in writing, authorise an advocate or a Secretary-in-whole-time practice or a practising Chartered Accountant or practising Cost and Works Accountant, to function as a representative of such party. A company may appoint and authorise its Director or Company Secretary to appear in its behalf, in any proceeding before the Bench. The Central Government, the Regional Director or the Registrar may authorise an office to appear in its behalf".

(f) in sub-regulation (7) of regulation 21, the words "for the protection of the interests of the shareholders, creditors or any class of them" shall be omitted.

(g) regulation 27 shall be omitted.

(h) in regulation 29,

(i) Existing sub-regulations (2) to (6), both inclusive, shall be renumbered as sub-regulations (3) to (7).

(ii) before sub-regulation (3) as renumbered, the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

"(2) In case of difference of opinion among the members of the Bench, the opinion of the majority shall prevail and the opinion or orders of the Bench shall be expressed in terms of the views of the majority :

Provided that where a matter is heard by a Bench consisting of an even number of Members and such members are divided equally in their opinion, it shall be placed before the Chairman who may himself deal with the matter or nominate any other Member to deal with the same".

(i) in regulation 32,—

(i) in sub-regulation (1), for clause (viii), the following clause shall be substituted, namely :—

"(viii) to dispose of matters relating to service of notices".

(ii) for sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

"(2) An appeal against any decision by a Bench Officer under Clauses (i), (iii), (v) and (vii) shall be made to the Bench by the aggrieved party within fifteen days from the date such decision is communicated to him".

(j) in Clause (k) of sub-regulation (2) of regulation 33, for the word "review" the word "remarks" shall be substituted.

(k) in regulation 36,—

(i) for Clause (i) of sub-regulation (1), the following clause shall be substituted, namely :—

"(i) published a general notice, atleast once, in the district in a daily newspaper published in English and in the principal language of that district in which the registered office of the company is situated, and circulating in that district clearly indicating the substance of the petition and stating that any person whose interest is likely to be affected by the proposed alteration of the Memorandum may intimate to the Bench Officer within twenty-one days of the date of publication of that notice, the nature of interest and grounds of opposition; and"

(ii) for sub-regulation (9) the following sub-regulation shall be substituted namely :—

"(9) where no objection has been received from any of the parties, who have been duly served, the Bench Officer may put up the petition for orders without hearing;"

(iii) sub-regulation (10) shall be omitted.

(l) in sub-regulation (1) of regulation 40, after the words "offence shall be made by a company", the words "or its officers in default" shall be inserted.

(m) for regulation 41, the following regulation shall be substituted, namely :—

"Provisions of these regulation shall apply, mutatis mutandis, to the petition made under section 2A of the Monopolies Act.

(n) for regulation 45, the following regulation shall be substituted, namely :—

"45 Any clerical or arithmetical mistakes in any order of the Bench or error therein arising from any accidental slip or omission may, at any time, be corrected by the Bench either on its own motion or on the application of any party;"

(o) In Annexure I,—

(i) against Sl. No. 1, in the column relating to "States Union Territories", after the word "Orissa", the word "Sikkim" shall be inserted.

(ii) against Sl. No. 4, in the column relating to States/ Union Territories", for the words "Union Territory of Dadra & Nagar Haveli", the words "Union Territories of Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu" shall be substituted.

(p) in Annexure II,—

(i) in Form No. 1. under the heading 'Details of petitions',—

(a) in item No. 5, after the words "the Companies Act, 1956", the words "or Securities Act, 1956" shall be inserted;

(b) in item No. 10, for sub-items (i) and (ii), the following items shall, respectively, be substituted, namely :—

"(i) Branch of the Bank on which drawn;

(ii) Name of the issuing Branch;"

(iii) after Form No. 4, the following Form shall be inserted, namely :—

"FORM NO. 5

[See regulation 18(3)]

Memorandum appearance

To

The Bench Officer,

Company Law Board..... Bench

In the matter of.....Petitioner.

—V—

.....Respondent

(C.P. No. ....of.....199 )

Sir,

Please take notice that I, AB, Secretary in whole-time practice|practising Chartered Accountant|practising Cost & Work Accountant, am duly authorised to enter appearance and do hereby enter appearance, on behalf of.....petitioner/ opposite party|Registrar|Regional Director|Government of .....in the above mentioned petition.



\*A copy of the resolution passed by the Board of Directors authorising to enter appearance and to act for entry purpose connected with the proceedings for the said party is enclosed, duly signed by me for identification.

Dated.....day of.....19.....

Enclosure : as aforesaid

\*Strike if not applicable

Yours sincerely,

( )

Address :

Tele No :

(q) In Annexure III

(i) against Sl. No. 1, in column 4, in item No. 11, the word, figures and brackets 'and 36(2)' shall be inserted at the end.

(ii) against Sl. No. 5, in column 4, in item No. 6, for the figures and brackets '14(4)' the figures and brackets "14(3)" shall be substituted.

(iii) against Sl. No. 9, in column 4, under the heading "where the petition is made by any other person", for item No. 6, the following item shall be substituted, namely :—

"6. Memorandum of appearance with a copy of the Board's resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be".

(iv) against Serial No. 12, in column 4, for item No. 5, the following item shall be substituted, namely :—

"5. Memorandum of appearance with a copy of the Board's resolution or the executed Vakalatnama as the case may be";

(v) against Srl. No. 13, in column 4,—

(a) in item No. 2, for the figures, letter and brackets 293 (1)(a) the figures, letter and brackets "293(1)(d)" shall be substituted.

(b) item No. 3 shall be omitted.

(vi) against Sl. No. 14, in column 4, for item No. 4, the following item shall be substituted, namely :—

"(4) Memorandum of appearance with a copy of the Board's resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be".

(vii) against Sl. No. 15, in column 4, for item No. 4, the following item shall be substituted, namely :—

"4 Memorandum of appearance with a copy of the Board's resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be".

(viii) against Srl. No. 17, in column 4, for item No. 4, the following item shall be substituted, namely :—

"4 Memorandum of appearance with a copy of the Board's resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be".

(ix) against serial No. 23, in column 4,

(a) for item 4, the following item shall be substituted, namely :—

"(4) Memorandum of appearance with a copy of the Board's resolution or the executed Vakalatnama, as the case may be".

(b) after item 4, the following item shall be added, namely :—

"5. Three extra copies of the petition";

[No. 1/10/83-CLE]

By Order of the Company Law Board  
S. BALASUBRAMANIAN, Member Company Law Board

Foot Note :—Principal Regulation

G.S.R. No. 291(E) dated 31-5-91.

